"कायाकल्प": एमसीएल द्वारा ग्रामीण विकास की अभिनव पहल

(22-08-2020)

ग्राम्य अंचल का सामाजिक-आर्थिक विकास दीर्घकाल में राष्ट्र के विकास में सहायक सिद्ध होता है। उक्त तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए एमसीएल द्वारा विगत वर्षों में अपने परिधीय ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की कई महती परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में बसंतपुर ग्राम में अधोसंरचना विकास का कार्य आरम्भ किया जा रहा है। रु.1.4 करोड़ की 'कायाकल्प' परियोजना में पाइप द्वारा घर एवं शौचालय तक जल आपूर्ति, जल निकासी व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग, विद्यालय का पुनरुद्धार, नया सामुदायिक केंद्रतथा तालाब में घाटका निर्माण जैसे कार्य चिन्हित किये गए हैं।

2100 की जनसंख्या के साथ बसंतपुर गाँव सम्बलपुर से 27 किमी दूर गोशाला-चिपलिमा रोड के पास अवस्थित है।एक ओर पर्वतों की सघन हरियाली से घिरे इस गाँव की मुख्य अर्थ व्यवस्था कृषि एवं गाय पालन है। ज्यादातर लघु एवं मझोले कृषक हैं जिन्होंने आस पास के अंचल की तरह पशु पालन एवं उससे जुड़े दुग्ध व्यवसाय को अपनी अतिरिक्त दैनिक आजीविका का प्रचलित माध्यम बनाया है।

विदित हो कि बसंतपुर के निकट जहां कई संस्थाएं जैसे कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय पशु प्रजननकेंद्र एवं पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (बीटीआई)पहले से स्थापित हैं, वहीं कुछ नएसंस्थान जैसे 235 एकड़ में सीआरपीएफ का ग्रुप सेंटर, 100 एकड़ में आईआईएम सम्बलपुरतथा 100 एकड़ में ओडीशा का दूसरा सैनिक स्कूल आकार ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा यहां औद्योगिक प्रक्षेत्र और एमएसएमई पार्क स्थापित किये जाने की भी योजना है।कुल मिलाकर बसंतपुर आने वाले वर्षों में अपने आसपास कई विकासकारी गतिविधियों का साक्षी बनेगा। ऐसे में समावेशी विकास की अवधारणा को दृष्टिगत रखते हुए एमसीएल ने इस गाँव में अधोसंरचना का कार्य हाथ में लिया हैं।इस कार्य के लिए ग्राम सरपंच एवं प्रबुद्धजनों ने सहर्ष सहमति दी है तथा जिला प्रशासन से भी स्वीकृति ली गयी है।

विभिन्न शासन स्तरीय कल्याण योजनाओं तथा संस्थाओं की स्थापना के साथ 'कायाकल्प' योजना अपने नाम के अनुरूप बसंतपुर के लिए विकास के नए आयाम लेकरआए, इसके लिए ग्राम वासियों को एमसीएल की असीम शुभकामनाएं।